

प्रेषक:

पी०सी० शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कुलपति,  
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,  
नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-6

देहरादून दिनांक: 14 अगस्त, 2010

विषय:- महादेवी वर्मा सृजन पीठ में निदेशक पद पर चयन हेतु कार्यकारी आदेश।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय के अधीन सृजित महादेवी वर्मा सृजन पीठ में निदेशक के पद पर नियमित नियुक्ति/चयन के सम्बन्ध में नियमावली प्रख्यापित न होने के कारण पीठ में निदेशक के पद पर चयन के सम्बन्ध में नियमावली के प्रख्यापन होने तक निम्न मानकों/व्यवस्थानुसार निदेशक के पद पर चयन की कार्यवाही किये जाने का निर्णय लिया गया है:-

1. शैक्षिक अर्हता एवं  
अधिमान्यताएं

निदेशक पद हेतु आवेदन करने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय स्तर का ख्याति प्राप्त हिन्दी साहित्यकार होना आवश्यक है तथा सम्बन्धित विषय में पी०एच०डी० धारक हो।

2. आयु सीमा:-

निदेशक पद हेतु सम्बन्धित व्यक्ति की आयु सीमा 50 वर्ष से कम न हो, किन्तु 60 वर्ष से अधिक न हो।

3. अनुभव:-

- (1) उसे हिन्दी समकालीन लेखन का अभिन्न अंग होना चाहिए तथा उनके लेखन से साहित्य की किसी एक या अनेक विधाओं को रचनात्मक दिशा प्राप्त हुई तथा साहित्य एवं ज्ञान के किसी क्षेत्र में उनके योगदान से बुद्धिजीवी वर्ग एवं रचनाकार भली-भांति परिचित हो।
- (2) हिन्दी, अन्य भाषाओं एवं संस्कृति के क्षेत्र में राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर किसी संस्था को चलाने का एक वर्ष का अनुभव हो।

4. सेवा शर्तें:-

- (1) निदेशक का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा जिसे अपरिहार्य परिस्थितियों में दो वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है, किन्तु किसी भी परिस्थिति में 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जायेगा।
- (2) निदेशक का नियत मानदेय रु० तीस हजार प्रति माह पीठ की निधि से प्राप्त ब्याज से अनुमन्य होगा न कि निधि मूल धन से।
- (3) पीठ का दान स्वरूप अथवा पुरस्कार स्वरूप अथवा विश्वविद्यालय और राज्य सरकार से प्राप्त धनराशि वित्त अधिकारी/नियंत्रक, कुमाऊँ विश्वविद्यालय एवं निदेशक, पीठ के पद नाम से निधि की व्यवस्था हेतु खुले खाते में कुलपति की सहमति से संयुक्त रूप में जमा की जायेगी।

- 5 निदेशक प्रशासनिक शक्तियां की (1) निदेशक द्वारा पीठ के क्रियाकलापों को सुनिश्चित करने के लिये आउट सोर्सिंग से कार्ययोजित कार्मिकों (उपनल/युवा कल्याण/मान्यता प्राप्त पंजीकरण संस्थाओं) से लिया जायेगा। जिस पर शासन की अनुमति आवश्यक होगी।
- (2) पीठ के शैक्षणिक एवं शोध परक, प्रकाशन, शिक्षण आदि कार्य हेतु आवश्यक स्टाफ शैक्षणिक, शिक्षणेत्तर, पुस्तकालय, भवन आदि हेतु शैक्षिक एवं शोध परिषद, की संसुति के आधार पर प्रस्ताव अनुमोदित कराते हुए शासन से अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- (3) पीठ में सेवायोजित के मानदेय, अवकाश एवं अन्य आवश्यक आदेशों जिससे सेवायोजित कर्मचारियों में कार्यक्षमता निरन्तर बनी रहें। आउटसोर्सिंग व्यक्तियों का सेवायोजन समाप्ति, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए शासन द्वारा गठित समिति के माध्यम से नियन्त्रित होगी।
- (4) शैक्षिक एवं शोध परिषद में निम्नलिखित सदस्य होंगे:-
- (i) कुलपति, कुमाऊँ अध्यक्ष  
विश्वविद्यालय, नैनीताल।
- (ii) कुमाऊँ विश्वविद्यालय/प्रदेश सदस्य  
के अन्य विश्वविद्यालयों के  
विषय विशेषज्ञों के रूप में  
तीन सदस्य
- (iii) निदेशक, उच्च शिक्षा एवं आमंत्रित सदस्य  
उनके द्वारा नामित शिक्षाविद्
- (iv) निदेशक, महादेवी सृजन पीठ सदस्य सचिव
- (5) निदेशक द्वारा पीठ के लिये, शैक्षिक, शोध एवं भिन्न क्रियाकलापों या वार्षिक कलेण्डर तैयार किया जायेगा तथा उस पर कुलपति का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- (6) यदि कालान्तर में कोई वित्तीय अनियमितता किसी स्तर पर किया जाना संज्ञानित होता है, तो इसका उत्तरदायित्व निदेशक का होगा। शासन द्वारा जांचोपरान्त पुष्टि होने पर उसकी भरपाई निदेशक/सम्मिलित कर्मचारी से राजस्व वसूली की भांति सुनिश्चित की जायेगी तथा आपराधिक कृत्यों के लिये पृथक से विधि अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
- (7) राज्य सरकार में निदेशक को हटाये जाने का अधिकार निहित होगा। निदेशक की नियुक्ति पूर्णतया वैकल्पिक व्यवस्था के अन्तर्गत अस्थाई प्रकृति की होगी। नियमावली के प्रख्यापनोपरान्त तदनुसार कार्यवाही की जायेगी।



6 नियुक्ति की प्रक्रिया

(8) निदेशक का पद रिक्त रहने पर अन्तरिम व्यवस्था कुमाऊँ विश्वविद्यालय की परिनियमावली के अनुसार संचालित की जायेगी।

निदेशक की नियुक्ति शासनादेश संख्या— 917/XXIV (6)/2005 दिनांक 7 फरवरी, 2006 द्वारा गठित सर्वसमिति द्वारा की जायेगी :-

- |       |                                       |         |
|-------|---------------------------------------|---------|
| (i)   | प्रमुख सचिव/सचिव, उच्च शिक्षा         | अध्यक्ष |
| (ii)  | कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल | सदस्य   |
| (iii) | निदेशक, उच्च शिक्षा                   | सदस्य   |

निदेशक की नियुक्ति हेतु कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा पात्रता के आधार पर प्रमुख समाचार पत्रों में विज्ञापन देंगे तथा देश के प्रमुख साहित्यिक संस्थानों एवं प्रदेश के विश्वविद्यालयों को उक्त पद हेतु नाम प्रस्तावित करने के लिये निवेदन करेंगे। विद्वानों के आवेदन/नामांकन प्राप्त होने के उपरान्त उक्त समिति प्राप्त आवेदन पत्रों में से उपयुक्त विद्वान का चयन कर उसके निदेशक पद हेतु आमंत्रित करेगी।

2-- उपरोक्तानुसार कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को अवगत कराया जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(पी0सी0शर्मा)  
प्रमुख सचिव

संख्या— 07 /XXIV(6)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 2-- सचिव, महामहिम कुलाधिपति, राजभवन, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 3-- स्टाफ आफीसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4-- निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, हल्द्वानी, नैनीताल।
- 5-- गार्ड फाईल/रन0अ ई0सी0, उत्तराखण्ड।

आज्ञा से,

(नितेश कुमार झा)  
अपर सचिव